RAN-2401001202010003

RAN-2401001202010003

F.Y.B.A. (Sem. II) Examination November - 2025

Hindi Paper - 3(A) : Major

आधुनिक कविता (काव्य सरिता)

Time: 2 Hours] **[Total Marks: 50**

सूचना : / Instructions
(1) ઉપરોક્ત દર્શાવેલ વિગતો ઉત્તરવહી પર અવશ્ય લખવી.
Fill up strictly the above details on your answer book

Seat No.:

Student's Signature

प्रश्न-1. निम्नलिखित वैकल्पिक प्रश्नों के सही विकल्प लिखिए। **10**

1) 'हिमाद्री' तुंग श्रृंग से' यह गीत कौन गाती है?
(A) अलका (B) कला
(C) सखी (D) साध्वी

2) 'शेर सिंह का शस्त्र समर्पण' कविता कौन से युद्ध से संबंधित है?
(A) सीख (B) अंग्रेजों
(C) प्रथम (D) द्वितीय

3) भारतवासी कौन सी नदी के तट पर रहने वाले आर्यों की संतान है?
(A) सरस्वती (B) गोदावरी
(C) सिंधु (D) ब्रह्मपुत्र

4) 'वियोगी होगा पहला कवि आह से उपजा होगा गान' यह पंक्ति किस कवि की है?
(A) पंतजी (B) निरालाजी
(C) अज्ञेयजी (D) महादेवीजी

5) हे रंगिणी प्रथम किरण के का समाचार तूने कैसे जाना?
(A) सपनों (B) आगमन
(C) आनंद (D) जाने

6) बदली कार्य में कवियत्री में किसका रूपक बाँधा है?
(A) बादल (B) दीपक
(C) क्षितिज (D) आत्मा-परमात्मा

7) बीन भी हूं मैं तुम्हारी ..... भी हूं।
(A) बंसरी (B) रागिनी
(C) जागृति (D) सुहागिनी

8) कवि का जीत इस पर चढ़ जाता है?
(A) जंगल (B) पहाड़ी
(C) इंसान (D) ढोल

9) 'यह दीप' का कवि अपने को क्या कहता है?

(A) गोताखोर (B) वीर

(C) शिकारी (D) आजाद

10) 'बबूल' काव्य में किसका प्रतीक बताया गया है?

(A) त्याग (B) शक्ति

(C) साधना (D) तप

प्रश्न-2. 'शेर सिंह का शस्त्र समर्पण' कविता की समीक्षा कीजिए। **13**

अथवा

प्रश्न-2. 'जागो फिर एक बार' कविता की समीक्षा कीजिए। **13**

प्रश्न-3. 'कुकुरमुत्ता' को निराला जी ने दीन हीन शोषित जनता का प्रतीक माना है और गुलाब को शोषित अभिजात वर्ग का - इस कथन को स्पष्ट कीजिए। **13**

अथवा

प्रश्न-3. 'मैं नीर भरी दुख की बदली' कविता में बदली और कवियत्री के जीवन को समानता चित्रित हुई है' - स्पष्ट कीजिए। **13**

प्रश्न-4.(अ) टिप्पणी लिखिए। **14**

(1) 'मंगल वर्षा' में निहित प्रकृति

अथवा

'यह दीप' में व्यक्तिमूलक मानवतावाद

(आ) सप्रसंग व्याख्या कीजिए

(1) ''कभी दिखाती रही वैर के
स्वयं-शमन का सपना
कहती रही कभी जग में
है कौन पराया अपना''

अथवा

''आह! त्याग की उत्कृष्ट प्रतिभा होरी महतो
भोली धनिया जाग रहे हैं,
काम कर रहे हैं अब भी अपने खेतों में
उनकी श्वेत अस्थियों से इस युग का वज्र बनेगा भयंकर।''